जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2020/mhj/03 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शनिवार, 27 फरवरी 2021

विश्व धरोहर के साथ खुलेआम खिलवाड़!!!

नगर निगम हेरिटेज के किशनपोल ज़ोन में विश्व धरोहर के रूप मे संरक्षित भवन 967,जयपुर कॉलेज,चौकड़ी विश्वेश्वर,चौड़ा रास्ता,जयपुर को रात के अँधेरे में तोड़ने का कार्य किया जा रहा है,इस विश्व विरासत में हो रही तोड़फोड़ की खबर किशनपोल ज़ोन प्रशासन को मिलने के बाद उनके द्वारा एक नोटिस भी दिनांक 16/02/2021 को इसकी दिवार पर चस्पा कर दिया गया था और निगरानी के लिए गार्ड भी बैठा दिया गया था परन्तु उसके बावजूद सरकारी गार्ड की मौजूदगी में आज दिनांक तक इस विश्व विरासत में तोड़फोड़ की कार्यवाही जारी है|स्थानीय निवासियों के अनुसार भूमाफियाओं द्वारा इसे तोड़कर व्यवसायिक काम्प्लेक्स बनाने की तैयारियां की जा रही है|स्थानीय नागरिकों के अनुसार इस विश्व धरोहर को नुक्सान पहुचाने में एक बड़े रसूखदार व्यक्ति का हाथ है ,जिसके चलते ही निगम प्रशासन द्वारा नोटिस देकर कागजी खानापूर्ति कर ली गयी है|यदि ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमसे विश्व विरासत का दर्जा छीन लिया जायेगा|

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी
सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम हैरिटेज जयपुर घाटगेट

क्रमांकः—F-52/DC/KPZ/2021/253

दिनांकः— 16/2/2021

नाम व्यवस्थापक,
जयपुर कॉलेज, चौडा रास्ता
चौकडी विश्वेश्वर जी जयपुर।

" नोटिस "

जरिये नोटिस आपको सूचित किया जाता है कि आप द्वारा जयपुर कॉलेज के नाम से विख्यात हैरिटेज हवेली के पश्चिमी व उत्तरी दिशा में पुराने बने भीतरी भाग के कमरो व दिवारो को तोडने का कार्य किया जा रहा है। उक्त भवन "जयपुर कॉलेज" विश्व धरोहर हैरिटेज सर्वे में चिन्हित हैरिटेज भवनो में शामिल है। जो विश्व धरोहर है। जो जयपुर का सौंदर्य है। जिसे आप द्वारा बिना ईजाजत तोडफोड कर नष्ट किया जा रहा है। अतः आप द्वारा किये गये तोडफोड कार्य को तुरंत बंद कर देवे उक्त भवन में पूर्व की स्थिति कायम कर देवे, जिससे जयपुर कॉलेज का सौंदर्य बना रहे यदि आप द्वारा उक्त कार्य नही किया तो आपके विरूद्व राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 194 के तहत् नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। साथ ही संबंधित थाने में विश्व धरोहर को तोडफोड व नष्ट करने के विरूद्व आपराधिक मुकदमा दर्ज करवाया जावेगा। जिसकी समस्त हर्जे—खर्चे की जिम्मेदारी आपकी होगी।

सूचित रहे।

उपायुक्त
किशनपोल जोन
नगर निगम हैरिटेज जयपुर

किशनपोल ज़ोन द्वारा दिया गया नोटिस

D:\SUMESH SINGH DATA 1\nagar nigam 1\Noties.doc - 1391 -

DECEMBER 6, 2020 TIMES

Uniform colour code for Walled City residential & biz complexes

Plan Has Been Submitted To Unesco

shoebkhan@times...

Jaipur heritage project a model for S Asia: Unesco

Bhagirath

...its residents," said R K Vijayvargia, chief town planner, Jaipur.

Keeping the overall aesthetics in mind, the size of the signages on buildings have to be different on the basis of floors. The signages on the second floor have to be slightly bigger in size as compared with the ground floor and those inside the corridors. The rules for the temples also have a uniform pattern. The document says that the name of the temple to be scribbled on the white background and signage should have borders and names written with Jaipur polish. The size of signages dealing with navigation is the biggest among them all to ensure that it serves its purpose.

"It also includes finer deta-...

glass panes with dark brown frames. The bazaar facing mounted units and terrace encroachments will be removed too," added Vijayvargia. The body has prepared a list of 600 structures which will undergo a change under the project.

TIMES NEWS NETWORK

Jaipur: A first of its k... cio-economic survey... ring over 1 lakh hou... in Jaipur's Walled Ci... dergoing for the worl... ge site aiming to re... track the two-cent... business practices,... res, literature, cust... als and ceremonies...

The experts say... ses may be 1 lakh b... ral houses, more t... mily is residing... opportunity to d... much larger sam...

Explaining th... ce of the scheme... vargia, chief to... says that to coll... ve data on the s... of the famili...

Sites. "Old ... that Jaipur was placed for ... Karkhana (Business) flourished until the early twentieth century. Due to modernization and industrial expansion, several of these practices have gone missing from ...

...rian Zahida ... tracking the old business practices has become a trend in Europe and South American nations and seen as part of cultural identity. "These ...

... The survey ... started and due to pandemic, it is being done in a staggered manner.

यूनेस्को तैयार करवा रहा स्पेशल हेरिटेज प्लान, हर घर -बाजार का किया जा रहा सर्वे

दक्षिण एशिया के ऐतिहासिक शहरों के लिए मॉडल बनेगा हमारा 'जैपर'

पहले चरण की करीब 600 इमारतों की सूची हो जाएगी अगले माह बनकर तैयार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. यूनेस्को की विश्व विरासत में शामिल राजधानी का परकोटा क्षेत्र अब दक्षिण एशिया के देशों के लिए मॉडल बनेगा। यूनेस्को की ओर से जैपर (अब जयपुर) का स्पेशल हेरिटेज प्लान तैयार करवाया जा रहा है। इसी के तहत 293 वर्ष पुराने शहर की इमारतों से लेकर बाजारों का सर्वे फरवरी में शुरू किया ...

इन पर दिया जा रहा ध्यान

ऐसी इमारतें जो संरक्षित श्रेणी में नहीं आती, लेकिन इनकी बनावट ऐतिहासिक है। किसी इमारत में पेंटिंग वर्षों पुरानी है और उसको आज तक सुरक्षित रखा हुआ है। झरोखे भी दशकों पुराने हैं। इस काम को भारतीय संस्कृति निधि की ओर से किया जा रहा है। संस्था से जुड़े लोगों की मानें तो चौकड़ी मोदीखाना से इसकी शुरुआत हुई थी

अधिकारियों की मानें तो सर्वे ...

भविष्य पर भी है नजर

टेक्निकल हेरिटेज कमेटी ... लिए ऐतिहासिक शहर संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों को बुलाया जाएगा।

... शहर की आकृति के अलावा जीवित परम्पराओं और यहां की संस्कृति पर भी फोकस किया जा रहा है।

■ हैरिटेज संरक्षण को बढ़ावा दिया तो फायदा ही फायदा

हैरिटेज हवेलियों व इमारतों का संरक्षण करने पर नगरीय विकास कर में विशेष छूट का है प्रावधान।

इन प्रोजेक्ट्स को पर्यटन प्रोजेक्ट मानते हुए टैक्स, मनोरंजन कर से लेकर सेल्स टैक्स में भी छूट का प्रावधान सरकार ने रखा है।

■ इन दिक्कतों को दूर करना जरूरी

ऐतिहासिक स्थलों पर अतिक्रमण हैं। इनको हटाने के लिए कोई प्रबंध नहीं किए गए हैं।

परकोटे में पैदल चलने के लिए जगह नहीं है। जो घोषणाएं हुई वो कागजों से बाहर नहीं आ पाई हैं।

ड्रोन सर्वे में अतिक्रमण और मूलस्वरूप से छेड़छाड़ के मामले सामने आए हैं। अब तक सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है।

... नहीं हुआ है। यूनेस्को ने अब तक की प्रगति रिपोर्ट की तारीफ की। इस सर्वे ... दक्षिण एशिया के किसी भी शहर के लिए ... के रूप में काम करेगा। ... से देश के अन्य ऐतिहासिक शहरों को भी फायदा मिलेगा। सर्वे का पहला चरण जनवरी में पूरा हो जाएगा।

आर.के. विजयवर्गीय, चेयरपर्सन, टेक्निकल हेरिटेज कमेटी

विश्व धरोहर घोषित करने के समय प्रकाशित ख़बरें,जिन्हें पढ़कर हमें गर्व हुआ था|

जवाब मांगते सवाल?

1. जब यह ईमारत JAIPUR (WALLEDCITY) HERITAGE CONSERVATION AND PROTECTION REGULATIONS-2020 के तहत संरक्षित है तो उसके बावजूद इसमें क्यों तोड़फोड़ की जा रही है?
2. क्या भवन मालिकों द्वारा निगम की पूर्व स्वीकृति प्राप्त की गयी थी?
3. आखिर यह लोग इसमें ऐसा क्या बना रहे है जिसे बनाने के लिए चोरी-छिपे तोड़फोड़ की जा रही है?
4. क्या यूनिस्को की कमिटी द्वारा इसके मूल स्वरुप का मूल फिंगरप्रिंट तैयार कर रखा है जिसके तहत इसकी बाहरी और आंतरिक साज सज्जा में परिवर्तन किया जाना था?
5. क्या यूनिस्को के मूल फिंगरप्रिंट के अनुसार ही इसमें निर्माण किया जा रहा है?
6. कौन है इस बिल्डिंग का मालिक जो अपने रसुखातों के दम पर विश्व धरोहर से खिलवाड़ करने की जुर्रत कर रहा है?क्या है उसके राजनैतिक रसूखात?
7. आखिर किशनपोल ज़ोन के उपायुक्त श्री सोहनलाल केवल नोटिस देकर ही क्यों खानापूर्ति कर रहे है?
8. आखिर क्यों वह विश्व धरोहर को बिना इजाजत तोड़ने और नुकसान पहुचाने के क्रम में भवन के मालिकों के विरुद्ध स्थानीय थाने में मामला दर्ज नहीं करवा रहे है?
9. आखिर क्यों किशनपोल ज़ोन के उपायुक्त श्री सोहनलाल इस बिल्डिंग को सील नहीं कर,अवैध निर्माणकर्ताओं को मौका दे रहे है?
10. यदि ऐसा ही चलता रहा तो क्या हम विश्व धरोहर के खिताब को कायम रख पाएंगे?
11. किशनपोल ज़ोन क्षेत्र में और कितनी धरोहरों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है?

केन्द्रीय सरकार की मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मिडिया आचार संहिता के तहत जारी :- ***www.jawabdosarkar.com*** *शासन के विभिन्न अभिकरणों में पारदर्शिता और जवाबदेही को प्रोत्साहित करने हेतु स्थापित ऑनलाइन मिडिया प्लेटफार्म है| अपने उत्तरदायित्वों की पूर्ति हेतु पोर्टल द्वारा समय समय पर अपने अभियानों के माध्यम से विभिन्न विषयों / मुद्दों/ समस्याओं के सम्बन्ध में तथ्यपरक रिपोर्ट्स का प्रकाशन किया जाता है| पोर्टल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट्स को उससे सम्बंधित सभी पक्षों / प्रभावितों और व्यापक जन हित में अधिकतम व्यक्तियों तक पहुचाना पोर्टल की पारदर्शिता निति का हिस्सा मात्र है| पोर्टल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट्स का किसी व्यक्ति/ संस्था/ जाति/धर्म / संप्रदाय विशेष से कोई सम्बन्ध नहीं है| पोर्टल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट्स के सम्बन्ध में अपना पक्ष/ सुझाव/ आपत्तिमय सम्बंधित तथ्यों/ दस्तावेजों के पोर्टल के आधिकारिक पते:-S-1,* ***सेकंड फ्लोर,झारखण्ड अपार्टमेंट,जनरल सगत सिंह मोड़ खातीपुरा रोड,जयपुर*** *अथवा ईमेल :-jawabdosarkar01@gmail.com अथवा व्हाट्सअप न. 9828346151 पर प्रेषित कर सकते है| आपके पक्ष/ सुझाव/ आपत्ति को उचित होने पर इस रिपोर्ट के अगले अंक में प्रकाशित कर दिया जायेगा|*